आईएआरआई, करनाल में किसानों हेतु प्रशिक्षण एवं उन्नत बीज वितरण कार्यक्रम आयोजित

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (ICAR–IARI), क्षेत्रीय स्टेशन, करनाल द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (PM-RKVY) की अनुसूचित जाति उप-योजना (SCSP) के अंतर्गत किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं कृषि आदान वितरण का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर लगभग 500 किसानों को PB पूसा बासमती-1509 किस्म का प्रमाणित धान बीज (12 किग्रा प्रति किसान) वितरित किया गया। इसके अतिरिक्त किसानों को 50 किग्रा वर्मी कम्पोस्ट, नींबू के पौधे, किचन गार्डन किट तथा कृषि उपकरण (छाता एवं दरांती) भी प्रदान किए गए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. चेरुकुमल्ली श्रीनिवास राव, निदेशक, आईएआरआई, नई दिल्ली ने अपने संबोधन में कहा कि कृषि अनुसंधान का मूल उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि करना तथा टिकाऊ कृषि प्रणाली को सुदृढ़ बनाना है। उन्होंने धान में बैक्टीरियल रोगों पर चल रहे अनुसंधान, उन्नत एवं जलवायु-सहिष्णु किस्मों के विकास तथा कम लागत वाली तकनीकों को अपनाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने किसानों को उर्वरकों एवं कीटनाशकों के संतुलित उपयोग के साथ-साथ नवीन तकनीकों को अपनाने की सलाह दी तथा बताया कि आईएआरआई की प्रौद्योगिकियों का देश की खाद्य सुरक्षा एवं कृषि निर्यात में महत्वपूर्ण योगदान है।

विशिष्ट अतिथि श्री परदीप, एसडीएम, करनाल ने कहा कि करनाल क्षेत्र कृषि की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है तथा यहां किसानों के मार्गदर्शन हेतु अनेक अग्रणी संस्थान कार्यरत हैं। उन्होंने किसानों से सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने एवं वैज्ञानिक सलाह अपनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की पृष्ठभूमि प्रस्तुत करते हुए, डॉ. शिव कुमार यादव, अध्यक्ष, आईसीएआर-आईएआरआई, क्षेत्रीय स्टेशन, करनाल ने संस्थान की समृद्ध विरासत, हरित क्रांति में इसकी परिवर्तनकारी भूमिका तथा किसानों की आय वृद्धि में इसके सतत योगदान को रेखांकित किया।

विशेष अतिथि श्री विजय सेतिया, पूर्व सभाध्यक्ष, ऑल इंडिया राइस एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन ने किसानों को नवाचार अपनाने, छोटे-छोटे प्रयोगों के माध्यम से समस्याओं का समाधान खोजने तथा गुणवत्ता उत्पादन पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि उच्च गुणवत्ता ही किसानों को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त दिलाती है।

अन्य विशिष्ट अतिथियों में डॉ. एस. गोपाल कृष्णन, अध्यक्ष, आनुवंशिकी विभाग, आईएआरआई, नई दिल्ली, एवं डॉ. संदीप कुमार लाल, प्रधान वैज्ञानिक एवं नोडल अधिकारी (SCSP) ने अनुसूचित जाति उप-योजना के अंतर्गत 'सब तक पहुंच' की पहल एवं किसानों के सशक्तिकरण हेतु किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी।

डॉ. वजीर सिंह, उपनिदेशक कृषि, करनाल ने राज्य एवं केंद्र सरकार की विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं से अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संगीता यादव, प्रधान वैज्ञानिक द्वारा किया गया, जिन्होंने गुणवत्तापूर्ण बीज की भूमिका पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण सत्र में डॉ. सीमा श्योराण ने धान प्रबंधन, डॉ. एस.सी. राणा ने पोषण सुरक्षा हेतु सब्जी उत्पादन, डॉ. संदीप कुमार ने कृषि क्रियाकलाप, डॉ. राकेश सेठ ने गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन तथा डॉ. अश्वनी कुमार ने सुरक्षित भंडारण के विषय में जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया तथा बीज वितरण का औपचारिक शुभारंभ किया गया।

इसके अतिरिक्त मुख्य अतिथि डॉ. श्रीनिवास राव, ने तरावड़ी के प्रगतिशील किसान के खेत का भ्रमण कर बीज उत्पादन गतिविधियों का अवलोकन किया तथा आईएआरआई, क्षेत्रीय स्टेशन, करनाल की टीम के प्रयासों की सराहना की।

Farmers' Training and Quality Seed Distribution Programme Organized at ICAR-IARI, Karnal

ICAR-Indian Agricultural Research Institute (IARI), Regional Station, Karnal organized a Farmers' Training Programme and distribution of agricultural inputs under the Scheduled Caste Sub-Plan (SCSP) component of the Pradhan Mantri Rashtriya Krishi Vikas Yojana (PM-RKVY). On this occasion, about 500 farmers were provided certified seed of PB Pusa Basmati-1509 (12 kg per farmer). This variety is well known for its short duration (115-120 days), superior grain quality, high market value and strong export demand. In addition, farmers were also provided 50 kg vermicompost, lemon saplings, kitchen garden kits and agricultural tools (umbrella and sickle).

The Chief Guest, Dr. Ch. Srinivasa Rao, Director and Vice-Chancellor, ICAR-IARI, New Delhi, emphasized that agricultural research must focus on enhancing farmers' income and promoting sustainable farming systems. He highlighted ongoing research on bacterial diseases in rice, development of improved and climate-resilient varieties and adoption of cost-effective technologies. He also advised farmers to use fertilizers and pesticides judiciously and adopt modern scientific practices. He noted that IARI technologies have made significant contributions to national food security and agricultural exports.

Setting the context for the programme, Dr. Shiv Kumar Yadav, Head, ICAR-IARI, RS Karnal, underscored the institute's rich legacy, its transformative role in the Green Revolution and its sustained contributions to augmenting farmers' income.

The Guest of Honour, Sh. Pardeep, SDM Karnal, stated that the Karnal region is endowed with favourable agro-climatic conditions and strong institutional support for farmers. He urged farmers to actively avail benefits of government schemes and adopt scientific recommendations.

The Special Guest, Sh. Vijay Setia, Former President, All India Rice Exporters Association, advised farmers to embrace innovation, conduct small-scale experiments and focus on quality production. He emphasized that superior quality produce ensures competitiveness in the global market.

Among other dignitaries, Dr. S. Gopala Krishnan, Head, Division of Genetics, ICAR-IARI, highlighted advancements in developing pest- and climate-resilient rice varieties. Dr. Sandeep Kumar Lal, Principal Scientist and Nodal Officer (SCSP), elaborated on outreach initiatives aimed at inclusive farmer development. Dr. Wazir Singh, Deputy Director Agriculture, Karnal, briefed farmers about various welfare schemes of the State and Central Governments. The programme was compered by Dr. Sangita Yadav, Principal Scientist, who emphasized the importance of quality seed in enhancing farm profitability. During the training sessions, Dr. Seema Sheoran spoke on paddy management, Dr. S.C. Rana on vegetable production for nutritional security, Dr. Sandeep Kumar on agronomic practices, Dr. Rakesh Seth on quality seed production and Dr. Ashwani Kumar on safe storage practices. The programme also included felicitation of staff and formal inauguration of seed distribution.

The Chief Guest Dr Rao later visited the field of progressive farmers at Taraori to review seed production activities and appreciated the dedicated efforts of the ICAR-IARI, Regional Station, Karnal team.